बर्षः- 06
अंकः- 82
मुरादाबाद
(Sunday)
12 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

क्रिकेट से लेकर रग्बी और हॉकी तक... पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड में खेल जगत को लेकर कही बड़ी बातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए भारतीय मूल के खिलाड़ियों रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी और एजाज पटेल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड प्रतिभाओं को अवसर देने वाला देश है। साथ ही भारत-न्यूजीलैंड की दोस्ती, %वाका% की साझा यात्रा और भारतीय समुदाय के योगदान की भी सराहना की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड दौरे के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दोनों देशों के गहरे संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने भारतीय मूल के कई सफल

खिलाड़ी हो सकते हैं। ऐसी प्रतिभाओं को यहां अवसर मिलता है। न्यूजीलैंड वह जगह है, जहां सड़कों के नामों में भी भारतीय शहरों को सम्मान दिया गया है।भारत को न्यूजीलैंड के रग्बी कोचों की जरूरत - लोगों का उदाहरण देते हुए कहा कि न्यूजीलैंड वह देश है, जहां प्रतिभा को आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिलता है। इस दौरान उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के भारतीय मूल के खिलाड़ियों रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी और एजाज पटेल का भी विशेष उल्लेख किया। साथ ही दोनों देशों के बीच खेल संबंधों को बढ़ाने को लेकर भी कई एलान किए। रचिन, ईश और एजाज का किया जिक्र- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड ऐसा देश है, जहां भारतीय मूल के लोग हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड वह जगह है, जहां निखिल रविशंकर एयर न्यूजीलैंड के सीईओ बन सकते हैं। जहां आनंद सत्यनंद गवर्नर-जनरल बन सकते हैं। जहां क्रिकेट टीम में रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी और एजाज पटेल जैसे संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत रग्बी के क्षेत्र में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत को अनुभवी कोचों और विशेषज्ञों की जरूरत है, जिसमें न्यूजीलैंड महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में भुवनेश्वर में न्यूजीलैंड रग्बी और रग्बी इंडिया के संयुक्त कोचिंग कार्यक्रम को दोनों देशों के खेल सहयोग की शानदार शुरुआत बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और न्यूजीलैंड स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी मिलकर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है और खेल सहयोग इस साझेदारी को नई मजबूती देगा।मेजर ध्यानचंद का जिक्र- भारतीयों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष भारत और न्यूजीलैंड के खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक सदी पहले भारतीय हॉकी टीम न्यूजीलैंड दौरे पर आई थी और उस दौरान मेजर ध्यानचंद के शानदार खेल की पूरे देश में चर्चा हुई थी। उनकी अद्भुत हॉकी प्रतिभा ने न्यूजीलैंड के लोगों का भी दिल जीत लिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दौर सहयोग का है और भारत तथा न्यूजीलैंड खेलों के क्षेत्र में भी मिलकर नई ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच खेल सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। भारत और न्यूजीलैंड की दोस्ती का जिक्र- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते दोस्ती, साझा मूल्यों और बेहतर भविष्य की सोच पर आधारित हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की सांस्कृतिक विरासत में वाका (Waka) के महत्व का जिक्र करते हुए दोनों देशों की साझेदारी की तुलना इससे की। उन्होंने कहा, %वाका केवल एक नाव नहीं है। यह साझा यात्रा का प्रतीक है। भारत और न्यूजीलैंड का यह वाका अब एक नई यात्रा पर निकलने के लिए तैयार है, जो दोनों देशों के मजबूत होते संबंधों का प्रतीक है। 25-30 साल पुरानी यात्रा का किस्सा सुनाया- प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड की अपनी पहली यात्रा को भी याद किया, जो उन्होंने सार्वजनिक जीवन में आने से काफी पहले की थी। उन्होंने बताया कि उस समय एक न्यूजीलैंड निवासी ने उन्हें एक मफलर, टोपी और दस्ताने उपहार में दिए थे। उन्होंने कहा, यह मफलर मुझे न्यूजीलैंड के एक व्यक्ति ने दिया था और मैं इसे आज भी अपने पास संभालकर रखता हूं। यह मुझे यहां के लोगों के स्नेह और अपनापन की हमेशा याद दिलाता है। भारतीय शहरों के नाम वाली सड़कों का भी किया उल्लेख- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड में कई स्थानों और सड़कों के नाम भारतीय शहरों के नाम पर हैं, जो दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों की झलक दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि खंडाला, बॉम्बे हिल्स, कोरोमंडल, कलकत्ता स्ट्रीट, दिल्ली क्रिसेंट और अमृतसर स्ट्रीट जैसे नाम भारत और न्यूजीलैंड के मजबूत रिश्तों का प्रतीक हैं। भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, आप सभी पूरी तरह कीवी बन चुके हैं, लेकिन भारत और न्यूजीलैंड के रिश्तों को लगातार मजबूत भी कर रहे हैं। जब भी मैं न्यूजीलैंड के नेताओं से मिलता हूं, वे भारतीय समुदाय की खूब प्रशंसा करते हैं। यह आपकी तारीफ है और इससे मेरा सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

हम आपको जनता के सामने बेनकाब कर देंगे: महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को जमानत याचिकाओं का विरोध करने लेकिन ट्रायल में देरी करने पर फटकार लगाई। अदालत ने इस दौरान चेतावनी दी कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो राज्य को सार्वजनिक रूप से बेनकाब किया जाएगासुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में विदेशी नागरिक की जमानत याचिका का विरोध करने पर महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर राज्य सरकार का यही ढर्रा रहा, तो वे उसे जनता के सामने बेनकाब कर देंगे। बता दें कि, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की पीठ एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी।सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?- सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के काम करने के तरीके पर गहरी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा, %हमें हर दिन महाराष्ट्र से ऐसे मामले मिलते हैं। आप लोग जमानत का तो पूरी ताकत से विरोध करते हैं, लेकिन मुकदमों को तेजी से पूरा करने के लिए कोई कदम नहीं उठाते। जब हम मामले की जांच करते हैं, तो पता चलता है कि सबूत बहुत कमजोर हैं। हम आपको जनता के सामने बेनकाब कर देंगे%।क्या है पूरा मामला?- चार साल से जेल में बंद- अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए इस विदेशी नागरिक ने कोर्ट को बताया कि वह पिछले चार साल से जेल में है।

राम मंदिर मामले में आप चलाएगी अभियानः केजरीवाल बोले- सुंदरकांड पाठ के बाद देशभर में चलाएंगे हस्ताक्षर कैंपेन

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में डकैती डालने वाले महा पापियों को सजा दिलवाने को लेकर रविवार को सुंदरकांड पाठ कराने और देश भर में सिग्नेचर कैंपेन चलाने की घोषणा की। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर से जुड़े कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर रविवार को सुंदरकांड पाठ और देशव्यापी सिग्नेचर अभियान शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 12 जुलाई को सुबह 10 बजे दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-10 स्थित जापानी पार्क (जेएमडी टेंट) में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद भगवान हनुमान का आशीर्वाद लेकर देशभर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए- केजरीवाल- पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ समय की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि राम मंदिर में कथित गड़बड़ियों के आरोपों में शामिल लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जमीन खरीद, निर्माण कार्यों और चढ़ावे से जुड़े मामलों में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उनका कहना था कि उपलब्ध दस्तावेजों के बावजूद न तो समुचित जांच हो रही है और न ही जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। केजरीवाल ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाने के लिए जोड़ना है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और राम भक्तों से अधिक संख्या में सुंदरकांड पाठ में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि पाठ के बाद इस विषय पर चर्चा की जाएगी और आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रधानमंत्री के नाम एक पत्र पर राम भक्तों और आम नागरिकों से हस्ताक्षर कराए जाएंगे। इसके बाद ये पत्र प्रधानमंत्री को भेजे जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि यह केवल आम आदमी पार्टी का अभियान नहीं होगा, बल्कि देशभर के वे सभी श्रद्धालु इसमें भाग ले सकते हैं जो इस पूरे घटनाक्रम से आहत हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली समेत देशभर में विभिन्न स्थानों पर हनुमान चालीसा का पाठ और भगवान राम की आरती का आयोजन भी किया जाएगा। इसके बाद हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। केजरीवाल ने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें और अपनी भागीदारी दर्ज कराएं।

मंत्री राजभर का अखिलेश पर हमला, उनसे हाथ मिलाने का भी रेट तय, सत्ता के लिए दिखा रहे सनातन प्रेम

यूपी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की संपत्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राजनीति में आमतौर पर खर्च अधिक होता है, लेकिन इसके बावजूद अखिलेश यादव की संपत्ति लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब राजनीति में पैसा खर्च होता है, तो संपत्ति कम होनी चाहिए, लेकिन यहां तो संपत्ति दिन-दूनी, रात-चौगुनी बढ़ रही है। इसका जवाब कौन देगा? सपा प्रमुख के हालिया सनातन प्रेम पर भी राजभर ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो नेता पहले केवल तुष्टीकरण की राजनीति करते थे, वे अब अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख सनातन की बात करने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश है।राजभर ने अखिलेश यादव को नकली समाजवादी बताते हुए कहा कि असली समाजवाद डॉ. राम मनोहर लोहिया का था, जिन्होंने नाम के पीछे से जाति हटाने की बात कही थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या अखिलेश यादव ने अपने नाम के आगे से %यादव% हटाया है? सपा सरकारों के कार्यकाल का जिक्र करते हुए राजभर ने कहा कि प्रदेश ने समाजवादी पार्टी के शासन में दंगे, गुंडागर्दी, लूट और हत्याएं देखी हैं। सब कुछ समझ चुकी है। सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले पर भी राजभर ने तंज कसते हुए इसका नया अर्थ परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी बताया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को केवल अपने परिवार के विकास की चिंता है, जनता के हितों से उसका कोई लेना-देना नहीं है।प्रदेश में पंचायत चुनावों में हो रही देरी के मुद्दे पर राजभर ने कहा कि सरकार पूरी तरह तैयार है और अब सिर्फ हाईकोर्ट के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है।

हिंद महासागर हमारा आंगन, सुरक्षा हमारी जिम्मेदारीः राजनाथ सिंह बोले- बिना एलान के युद्ध संभव, सेना रहे तैयार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में नौसेना कर्मियों को संबोधित करते हुए भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता का प्राथमिक गारंटर बताया। स्वदेशी युद्धपोत %महेंद्रगिरी% की कमीशनिंग से पहले उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध बिना घोषणा के और नए रूपों में हो सकते हैं, जिसके लिए नौसेना को अत्याधुनिक तकनीक से लैस और सतर्क रहना होगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने साफ कर दिया है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने वाला सबसे प्रमुख देश है। उन्होंने वैश्विक सुरक्षा के बदलते और जटिल हालातों के बीच देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए भारतीय नौसेना की जमकर तारीफ की है। रक्षामंत्री बुधवार, 10 जुलाई 2026 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में नौसेना कर्मियों को संबोधित कर रहे थे। मौका था भारतीय नौसेना में छठे स्वदेशी प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरी के कमीशनिंग की पूर्व संध्या पर आयोजित विशेष %बाराखाना% कार्यक्रम का, जहां उन्होंने सैनिकों का हौसला बढ़ाया।

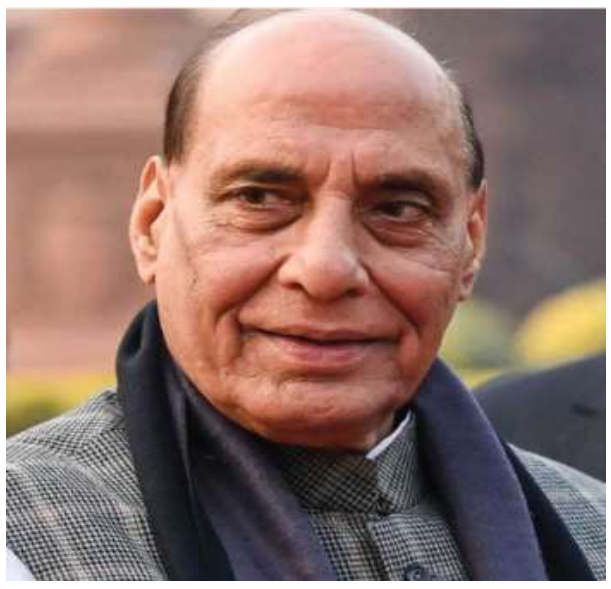

आर्थिक तरक्की के लिए समुद्री सुरक्षा बेहद जरूरी- राजनाथ सिंह रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का 90 प्रतिशत से ज्यादा व्यापार समुद्री रास्तों से ही होता है। इसके अलावा देश की ऊर्जा सुरक्षा, विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र और द्वीपीय क्षेत्र भी पूरी तरह समुद्र से जुड़े हैं।

यही वजह है कि देश के आर्थिक विकास और राष्ट्रीय हितों के लिए समुद्री सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। राजनाथ सिंह ने आगाह किया कि बढ़ते भू-राजनीतिक कॉम्पिटिशन और इस क्षेत्र से बाहर की ताकतों की मौजूदगी ने समुद्री सतर्कता को और बढ़ा दिया है। ऐसे में हमारी नौसेना सीमाओं की रक्षा के साथ महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को सुरक्षित रख रही है। हमारा आंगन है हिंद महासागर, सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी-राजनाथ सिंह भारत को इस क्षेत्र का सबसे बड़ा और जिम्मेदार देश बताते हुए रक्षा मंत्री ने सुरक्षित समुद्री माहौल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र हमारा आंगन है और इसकी सुरक्षा करना हमारी ही जिम्मेदारी है। राजनाथ सिंह ने स्वदेशी युद्धपोत महेंद्रगिरि का उदाहरण देते हुए कहा कि यह देश की आत्मनिर्भर होती रक्षा क्षमताओं का एक शानदार प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने सैनिकों से अपनी स्किल्स को लगातार अपग्रेड करने और अत्याधुनिक तकनीकों में महारत हासिल करने का आह्वान किया ताकि आधुनिक युद्ध के हर बदलते स्वरूप का सामना किया जा सके। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भविष्य की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा कि आने वाले समय में संघर्ष नए और अप्रत्याशित रूप में सामने आ सकते हैं। अब ऐसे भी संघर्ष देखने को मिल रहे हैं जो बिना किसी औपचारिक युद्ध की घोषणा के लड़े जाते हैं। उन्होंने सैनिकों को सचेत किया कि कल का शत्रु अतीत के शत्रु जैसा बिल्कुल नहीं होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार सैनिकों को दुनिया के सबसे बेहतरीन हथियार, टेक्नोलॉजी और संसाधन देने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। लेकिन हमें यह याद रखना होगा कि केवल हथियार ही जंग नहीं जिताते, बल्कि उन्हें चलाने वाले जांबाज लोग ही जीत तय करते हैं। इस खास मौके पर नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन और पूर्वी नौसेना कमान के वाइस एडमिरल संजय भल्ला सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय Editorial

Offices Moving from Shimla

Offices in the capital, Shimla, were first divided, and now some offices, including the original, are being relocated to district headquarters. In this same sequence, the headquarters of the State Backward Classes Commission has been relocated to Dharamshala. Clearly, if the Commission's office has moved downward, in the context of backward classes, the question of its appropriateness is being resolved. Previously, some offices have moved away from the hustle and bustle of Shimla, so the list of these moves will be examined. Himachal, with its broader image, has become Lower Himachal, yet the needs for reorganization remain unmet. Reorganization is also needed at the state level due to geographical conditions. Many offices are already trapped in Shimla, while some offices from district headquarters could also be relocated. For example, departments like the Fisheries Department, Agriculture-Horticulture, and Animal Husbandry should be relocated from district headquarters. While there may be political reasons for dividing Himachal, politics cannot be a factor in every change. Himachal Pradesh now needs infrastructural, administrative, and economic transformation. For this, economy must be paramount. If government buildings across the state are vacant, they can be utilized by relocating rented offices. Infrastructure needs need to be understood, as if schools and colleges are operating below capacity, rationalization is essential. If only 51 students are studying in a 70-kanal school in Dharamshala, then this building could be used for other purposes. This thinking will emerge when the government's Real Estate Management Authority also publicly maintains government buildings. Residential residences should not be located alongside government offices to improve their administrative function and enhance their future-readiness. Instead, clusters of two or three cities should be established to establish employee towns.

It's surprising when political tactics defeat the purpose. For example, science and commerce subjects were removed from the use of many colleges, making these subjects political. Similarly, by unnecessarily making colleges the center of postgraduate programs, the entire education system has been derailed. How can restructuring be achieved?

However, some offices would make more sense outside Shimla than in Shimla. For example, if the Horticulture Headquarters were relocated near Forestry University, Solan, and the Agriculture Headquarters near Agriculture University, Palampur, the relevance would increase. Having the Directorate of Education near the School Education Board in Dharamshala enhances its prestige.

If Mandi is the cultural capital, then having the headquarters of Arts, Language, and Culture there, while the Electricity Department in Sundernagar, would seem more appropriate. Smaller offices leaving Shimla would gain more status by moving to district headquarters. In this context, major cities would need to be categorized and transformed into subject-specific headquarters. District hospitals could be established as state-level hospitals for specific diseases, and colleges could be established as state-level study campuses for specific subjects.

Dev's Diary: No Wine, No Shine - The only rule here is no rules!

The incident is a trivial one. Duty had ended. Some electricity workers arrived at the contract shop. They wanted to end the day with a drink. The salesman looked at his watch and said, "Time's up. No more sales. That's the rule." This should have ended the story. But in India, rules never end. They only begin the next chapter. The title of the next chapter was, "When intoxication is curbed, light will also be considered." A government job doesn't just provide a salary. It also grants a person certain rights, not mentioned in any service manual. The employee discovers these rights gradually. Some electricity workers in Saharanpur even demonstrated this invisible constitution experimentally. They proved that the government cutter doesn't just cut wires; sometimes it also cuts the remaining dignity of democracy. They also proved that power doesn't reside solely in Parliament, the Secretariat, and the Ministries. A small branch of it opens within every person who has the power to stop another person's work. The chair may be small, but the authority is not. The incident is very small. Duty had ended. Some electrical workers arrived at the contract site. They wanted to end the day with a cup of tea. The salesman looked at his watch and said, "Time is up. No more sales. This is the rule." Rules start a new chapter—this should have ended the story. But in India, rules never end a story. They only start the next chapter. The poor salesman didn't knowthat mentioning a rule in front of a government official is like teaching a priest a mantra. Rules are objects of worship in government offices. They are saluted in the morning and buried under a file by evening. If an outsider reminds them of a rule, it is considered an intrusion into jurisdiction. This insult was not immediately avenged. In the government system, even revenge goes through a process. The employees went home, discussed the matter. A ladder was arranged. Two motorcycles were prepared. Then, in the darkness of the night, democracy climbed the pole with full preparation. The contracted electricity was cut off. The message was clear: "When intoxication is stopped, light will also be considered." I was most satisfied that the department still possessed such agility. People have complained for years that government employees arrive late, walk slowly, and files sag. This incident puts an end to that myth. If the government official is inclined, they can climb poles even at night. The choice of work should be their own. The contractor was astonished. He claimed the electricity bill was paid in full. "Oh, brother," the bill is just a piece of paper. The real bill is the goodwill that must be paid periodically with the department. You refused to give the "nectar," they cut the "current." The score was settled. The police were checking CCTV footage to determine whether the wire cutters were actually from the electricity depa rtment. I pity the police's innocence. Cutting wires accurately in the dark is not an amateur skill. It's a feat achieved through years of departmental practice. Every profession has its own signature. The master knows the tabla, the surgeon knows the s u r g e o n . T h e electrician knows the pulse, and he can identify the correct wire even in the dark. The department is currently quiet. It's possible they're considering this incident not indiscipline but extra dedication. After all, the employees were demonstrating their departmental skills even after their duty hours. Where can one find such dedication these days? Or perhaps they're mulling over whether to include "no wine, no shine" in the department's new guidelines. If anyone is the most unhappy in this entire situation, it's the rule. The poor thing is insulted everywhere. In front of the common man, it stands like a lion. But as soon as it approaches someone with authority, its voice becomes weak. It steps aside, as if to say, "Brothers, don't involve me. I don't have that much power." This incident has given the country a new administrative formula. Whenever there's a conflict between law and authority, it's not the law that wins, but the authority, because law only has the book. Authority has a ladder, a cutter, and a d e p a r t m e n t a l identification. Now I think shops should have two signs: First: "Sales are closed after closing time." Second: "If you're from a department, please state your department first." This isn't a news story specific to any one city. It's the nature of a system where authority is government-owned, but its use gradually becomes private. The citizen considers it an accident. The department calls it a process, and in our country, the process always outlives the citizen. After a few days, everyone will return to their work. The lights will be on contract again. The department will again serve the public. The police will again search for the truth in another CCTV. Citizens will again pay their bills on time and live in the belief that this time, perhaps, their light will be safe.

Look back: The ripe season of understanding; for life is like a flowing river.

Life is like a flowing river, passing through the banks of every age, constantly learning and teaching something new until the end. As age and experience increase, a person learns to read life, not from words. The greatest gift of time is that it gives us a fresh perspective on people we once considered ordinary. As children, my sister and I saw our father as a man without any adventure in his life. He never stopped going to work. As children, we are attracted to people who laugh or tell stories. In contrast, a person who quietly performs his duties seems dull to us. We mistake his silence for a lack of emotion, when in reality, that very silence is the deepest language of sacrifice, concern, and selfless love. Over time, I realized that while I had only considered my father a working man, a man of few words, and an ordinary man, he was facing an invisible struggle every day, one we never realized. His every decision was linked to the sole purpose of keeping his family safe. His greatest achievement wasn't merely earning a living, but protecting his loved ones from every danger. Gradually, I also realized that my vision was narrow-minded. I considered youth to be the most energetic, beautiful, and valuable stage of life. I considered a person who lived a peaceful life to be full of sorrows. But old age taught me that life is like a flowing river, passing through the banks of every age, learning and teaching something new until the end. As age and experience increase, a person learns to learn not from words, but from life itself. Then we understand that a person's greatest story lies not in the words they speak, but in the responsibilities they fulfill. Perhaps this is the greatest beauty of old age. It doesn't give us new achievements, but rather gives new meaning to old memories. Every age holds a different truth within itself. When this vision develops, the world appears more humane, compassionate, and beautiful than ever before.

Second Innings: Look for the expressions, not the words; because in every relationship, the expressions matter more than the words.

My son invited me abroad to spend the holidays, but during our conversation, he repeatedly mentioned the expenses of my visit. This is bothering me. What should I do? Psychologist Neelkanth offered Rameshwar Ji of Sitapur, who was hurt by his son's behavior, this advice... In every relationship, the expressions matter more than the words. Inviting a son to travel abroad is a source of joy for any parent, but if the expense is repeatedly mentioned in the same conversation, it's natural to wonder if I'm becoming a burden on him. However, it's also unfair to judge an entire relationship based on a single incident. Sometimes, circumstances, stress, or expressions are such that the other person wants to say one thing, but the message comes across differently. Therefore, in such a situation, it's important to first acknowledge your feelings. Thinking, "Maybe I'm overthinking it" or "I shouldn't feel bad" can ease the emotional pain. Did you know that children living abroad often talk about finances due to the pressures of the expensive lifestyle and limited budget? Their intention isn't to hurt their parents; they're simply sharing their true circumstances. However, if this is repeated repeatedly, the other person may get the impression that their visit is becoming a financial burden. Therefore, instead of bottling up this discomfort, it's better to share it with your son in a calm and relaxed manner.

You can tell him that you really want to visit, but the constant discussion of expenses is making you hesitant and you want to know if it's really convenient for him. When expressed in a way that's not a complaint, the other person can express their feelings without becoming defensive. It's possible that they may not even realize that their words are causing you this feeling. If your financial situation allows, you can even offer to cover some of the travel expenses. This will ease the pressure on your son and reduce your hesitation. However, don't do this simply because you want to teach him a lesson. Parents visiting their children isn't a favor, but rather a natural necessity of relationships. Before making any decision, consider whether your son's behavior reflects more of a sense of belonging or a concern about expenses. If, even after talking, you continue to feel that you aren't being welcomed wholeheartedly, it may be better to postpone the trip for a while. Any visit is enjoyable only when it is intimacy. Relationships remain strong when they are built on respect, clear communication, and sensitivity to each other's circumstances.

मुझे मत ढूंढ़ना... बुलेट पुल पर खड़ी है, ताऊ को मैसेज भेज युवक ने युवती संग लगाई रामगंगा में छलांग

कटघर के रामगंगा पुल से युवक और युवती ने हाथ पकड़कर नदी में छलांग लगा दी। सूचना पर पुलिस, गोताखोरों और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तलाश अभियान शुरू किया। दोनों की तलाश कर रही है। मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर युवक- युवती के रामगंगा नदी में छलांग लगाने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर कटघर पुलिस, गोताखोरों और एनडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू शुरू कर दिया। देर शाम तक दोनों का कोई सुराग नहीं लग सका था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोपहर करीब दो बजे युवक और युवती कटघर पुल के पास पहुंचे। दोनों कुछ देर तक नदी किनारे खड़े रहे और फिर एक-दूसरे का हाथ पकड़कर अचानक रामगंगा में कूद गए। यह नजारा देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस की शुरुआती जांच में युवक की पहचान कटघर थाना क्षेत्र के सूरज नगर निवासी तुषार के रूप में हुई है। युवती की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और युवक के परिजनों से भी संपर्क किया गया है।जांच के दौरान पता चला कि नदी में कूदने से पहले तुषार ने अपने ताऊ को मोबाइल पर एक संदेश भेजा था। मैसेज में लिखा था %मुझे मत ढूंढ़ना। मेरी बुलेट कटघर पुल पर खड़ी है। दूसरी चाबी लेकर उसे ले जाना%। इसके बाद परिजन और पुलिस मौके पर पहुंच गए।घटना की सूचना मिलते ही गोताखोरों के साथ एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। रामगंगा नदी में तेज बहाव और अधिक गहराई के कारण राहत एवं बचाव कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों की तलाश लगातार जारी है। युवती की पहचान और घटना के पीछे के कारणों की भी जांच की जा रही है। दोनों के मिलने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की तस्वीर साफ हो सकेगी।

रामपुर में हादसा: कॉर्बेट घूमने जा रहे कंपनी कर्मचारियों की कार खड़े कैंटर से टकराई, चार की मौत, तीन गंभीर

दिल्ली से कॉर्बेट नेशनल पार्क जा रहे इंडियन शॉप कंप्यूटर कंपनी के कर्मचारियों की कार कैंटर से टकरा गई। हादसे में अभिषेक अग्निहोत्री, कार्तिक और नीरज की मौत हो गई, जबकि चार घायल हुए।दिल्ली से रामनगर स्थित कॉर्बेट नेशनल पार्क घूमने जा रहे निजी कंपनी के कर्मचारियों की कार शनिवार तड़के सड़क किनारे खड़े कैंटर में पीछे से घुस गई। हादसे में चार लोगों की जान चली गई। जान गंवाने वालों में अभिषेक अग्निहोत्री, कार्तिक और नीरज और शमशुद्दीन शामिल हैं। कमल, विशाल और जतिन गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रामपुर रेफर किया गया।जानकारी के अनुसार सभी लोग दिल्ली के रहने वाले हैं और इंडियन शॉप कंप्यूटर कंपनी में कार्यरत हैं। कंपनी की ओर से निर्धारित लक्ष्य पूरा करने पर कर्मचारियों को कॉर्बेट नेशनल पार्क घूमने का पैकेज दिया गया था। इसी के तहत दो कारों में सवार होकर कुल 12 कर्मचारी दिल्ली से रामनगर के लिए रवाना हुए थे। एक कार में सात और दूसरी में पांच लोग सवार थे।साथी कर्मचारी अखिलेश ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार का हादसे से करीब एक किलोमीटर पहले टायर पंक्चर हो गया था। सभी लोग नीचे उतरे और टायर बदलकर दोबारा यात्रा शुरू की। इसी दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त कार से उतरकर दूसरी कार में बैठ गए। दोनों कारें आगे बढ़ीं तो उनकी कार आगे निकल गई, जबकि दूसरी कार पीछे रह गई।अखिलेश ने बताया कि कुछ समय तक दूसरी कार नहीं पहुंची तो उन्होंने फोन कर जानकारी लेने की कोशिश की। तभी पता चला कि पीछे आ रही कार कोतवाली के पास मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े कैंटर से टकरा गई है। सूचना मिलते ही उनकी कार में सवार सभी लोग तुरंत घटनास्थल की ओर लौटे। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने अभिषेक अग्निहोत्री (28), कार्तिक (32) और नीरज (31) को मृत घोषित कर दिया था।गंभीर रूप से घायल शमशुद्दीन की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं कमल, विशाल और जतिन का उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस ने चारों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों और घायलों के परिजनों में कोहराम मच गया।

पति ने पकड़े पैर, देवर ने रेता गला, बेटे ने मां के बारे में पूछा तो उसे भी मार डाला, डबल मर्डर का खुलासा

सीमा और उसके बेटे अंकुश की हत्या का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पति जसराम और देवर जयराम को गिरफ्तार किया है। दोनों ने मिलकर महिला और उसके बेटे को बेरहमी से मौत के घाट उतारा। यूपी के मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या निवासी सीमा और उसके बेटे अंकुश की हत्या में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक सीमा के पति जसराम और देवर जयराम ने इस वारदात को बड़ी ही क्रूरता के साथ अंजाम दिया था।पति ने सीमा के पैर पकड़ लिए थे और देवर जयराम ने उसका गला रेतकर हत्या कर दी थी। पति सीमा के व्यवहार से परेशान था। वह आए दिन उसके साथ मारपीट करती थी। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार जयराम ने बताया कि वह अपने भतीजे को नहीं मारना चाहता था। लेकिन वह बार बार अपनी मां के बारे में पूछ रहा था। उसे डर था कि वह घर जाकर लोगों को बता देगा। इसलिए मजबूरी में उसे मारना पड़ा। शुक्रवार की देर रात पुलिस ने पति जसराम को भी गिरफ्तार कर लिया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या निवासी सीमा (35) और उसके बेटे अंकुश (10) की हत्या में उसके देवर जयराम और पति जसराम को गिरफ्तार किया गया है। सीमा करीब दो साल से शेरुआ चौराहे पर किराये का मकान लेकर रहती थी। पति जसराम और बेटा अंकुश भी उसके साथ रहते थे। जसराम ने अपना मकान छोटे भाई जयराम को बेच दिया था। जयराम ने जसराम और उसकी पत्नी सीमा को 60 हजार रुपये दे दिए थे। दो लाख 40 हजार रुपये बाकी रह गए थे। इन रुपयों को लेकर सीमा विवाद करती थी।इसके अलावा सीमा के चरित्र पर भी जसराम शक करता था। विरोध करने पर दोनों के बीच विवाद भी होता था। सोमवार की रात भी पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। सीमा ने पुलिस चौकी में शिकायत की थी। इस मामले में सीमा ने समझौता कर लिया और अपने पति के साथ घर चली गई थी।इस समझौते में जयराम भी शामिल था। घर लौटने के बाद दोनों भाइयों ने साजिश रची कि वह सीमा को जिंदा छोड़ेंगे। नहीं जसराम ने अपने भाई से यह भी वादा किया था कि अगर वह सीमा की हत्या कर देगा तो मकान के बाकी रुपये भी नहीं लेगा। जयराम भी यह चाहता था कि मकान के रुपये उसे नहीं देने पड़े। मंगलवार की शाम करीब छह बजे जयराम अगवानपुर पहुंचा और सीमा से कहा कि वह उसे रुपये दे देगा। इस बहाने से वह सीमा और अंकुश को बाइक पर बैठाकर मौढ़ा तैय्या लौट रहा था लेकिन उसने पेट्रोल पंप पर बाइक रोक दी और अंकुश को वहीं उतार दिया और सीमा को अपने साथ खेत में ले गया। वहां पहले से जसराम मौजूद था। दोनों भाइयों ने सीमा पर हमला कर दिया। जयराम ने सीमा की गर्दन रेती, जसराम ने पकड़े पैर- जयराम ने धारदार हथियार से सीमा की गर्दन रेत दी और जसराम ने सीमा के पैर पकड़ लिए थे। सीमा की हत्या करने के बाद जयराम दोबारा पेट्रोल पंप पर पहुंचा और उसने बोतल में पेट्रोल ले लिया। इसके बाद अंकुश को बाइक पर बैठा लिया। अंकुश बार बार अपनी मां के बार पूछ रहा था। अब जयराम डरने लगा था कि कहीं वह फंस न जाएं।वह अंकुश को लेकर मौके पर कल्लू सिंह के खेत में ही आ गया था। यहां उसने अपनी मां को खेत में पड़ा देखा तो चीखने लगा। इसके बाद जयराम ने गला दबाकर अंकुश भी हत्या कर दी थी। दोनों भाइयों ने पेट्रोल डालकर सीमा का चेहरा जला दिया था। इसके बाद करीब 500 मीटर की दूरी पर प्रदीप के खेत में अंकुश का शव डाल दिया और उसका भी चेहरा जला दिया था। इसके बाद दोनों भाई मौके से भाग गए थे। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी देवर को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।यह है मामला- पाकबड़ा थाना इलाके में मां-बेटे की बड़ी ही बेरहमी के साथ हत्या कर दी गई थी। मौढ़ा तैय्या निवासी सीमा (30) का गला रेता गया जबकि उसके दस साल के बेटे अंकुश की हत्या गला दबाकर की गई है। सीमा का शव बुधवार को एक गन्ने के खेत में मिला था, जबकि उसके बेटे की लाश बृहस्पतिवार को करीब पांच सौ मीटर के फासले पर दूसरे खेत से मिली।हत्यारों ने दोनों की पहचान छुपाने के लिए चेहरे जलाए थे मगर अंकुश का चेहरा कम जला था जिससे उसकी पहचान हो गई। पुलिस का कहना है कि सीमा अपने पति जसराम से विवाद के बाद पिछले दो साल से अपने बेटे अंकुश के साथ अलग रह रही थी।15 साल पहले हुई थी जसराम और सीमा की शादी- पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या निवासी जसराम की शादी करीब 15 साल पहले गोरखपुर निवासी सीमा के साथ हुई थी। दंपती का एक दस साल का बेटा अंकुश था। जसराम ट्रक चालक है लेकिन कुछ समय से बीमार होने के कारण ट्रक नहीं चला रहा। दो साल पहले पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी।एक बीघा जमीन बेचने पर पति-पत्नी में बढ़ गया था विवाद- मौढ़ा तैय्या निवासी पातीराम सैनी के पांच बेटे सोमपाल, जयराम, जसवंत, कुलवंत और जसराम हैं। जसराम के हिस्से में दो बीघा जमीन आई थी। करीब दो साल पहले जसराम की पत्नी सीमा ने एक बीघा जमीन बेच दी थी। जसराम ने इसका विरोध किया था तब पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि महिला बाकी बची एक बीघा जमीन भी बेचना चाहती थी।पहचान करने से बचते रहे जसराम के परिजन- सीमा करीब दो साल से अपने बेटे अंकुश को साथ लेकर गांव छोड़कर शेरुआ चौराहे के पास कौकरपुर में किराये के मकान में रह रही थी और फैक्टरी में काम करती थी। वह बीच बीच में अपने गांव आती थी लेकिन पति पत्नी में विवाद हो जाता था। जिस कारण वह चली जाती थी। सीमा की लाश बुधवार की सुबह गांव के ही पास मिली थी लेकिन परिवार के किसी भी व्यक्ति ने उसकी पहचान नहीं की हालांकि उसका चेहरा भी पूरी तरह जल चुका था।

संक्षिप्त समाचार

स्वर्गीय शिव नारायण गुप्ता स्मृति शतरंज प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मान, बोले- शतरंज मानसिक परिपक्वता का खेल

मुरादाबाद बार एसोसिएशन में स्वर्गीय शिव नारायण गुप्ता एडवोकेट स्मृति वार्षिक शतरंज प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। एसएसपी सतपाल अंतिल और एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने पुरस्कार वितरित किए। आनंद मोहन गुप्ता ने शतरंज को मानसिक परिपक्वता और रणनीतिक सोच का खेल बताया।दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के सभागार में बार एसोसिएशन की ओर से जून में स्वर्गीय शिव नारायण गुप्ता एडवोकेट की स्मृति में वार्षिक शतरंज प्रतियोगिता कराई गई थी। इसका पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल व विशिष्ट अतिथि एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनन्द मोहन गुप्ता ने की। संचालन बार एसोसिएशन के महासचिव कपिल गुप्ता ने किया। स्वर्गीय शिवनारायण गुप्ता एडवोकेट की स्मृति में आयोजित वार्षिक शतरंज प्रतियोगिता के विजेता शाकिर अली एडवोकेट को अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र और विजेता की ट्रॉफी और उपविजेता राजकुमार गौतम एडवोकेट को भी प्रशस्ति पत्र एवं उपविजेता की ट्रॉफी प्रदान की। प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह दिया गया। सहयोग करने वालों को भी बार एसोसिएशन के द्वारा सम्मानित किया गया।बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता ने कहा कि शतरंज दिमाग का खेल है और इसमें प्रतिभाग करना और विजेता होना आपकी मानसिक परिपक्वता का प्रमाण है। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शतरंज एक बहुत ही अच्छा इंडोर गेम है जो कि व्यक्ति में विषम परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता पैदा करता है।विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर ने कहा कि कुमार अधिवक्ताओं की दिनचर्या काफी व्यस्त रहती है ऐसे में शतरंज जैसे खेल उनकी शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर गुप्ता, आदेश श्रीवास्तव, राकेश जौहरी, अभिषेक भटनागर, गिरीश चंद्र, मुकेश चंद्र भारद्वाज, श्रीकांत उपाध्याय, मनोज कुमार गुप्ता, अंजार हुसैन, अजय बंसल, पुनीत चौहान, सचिन शर्मा, आवरण अग्रवाल, जितेंद्र प्रताप सिंह जेपी, रमा पांडे, अनिल गुप्ता, आशीष उपाध्याय, जाबिर हुसैन, कैलाश सिंह, सुरेश सिंह सहित बड़ी संख्या में अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।प्रतियोगिता के विजेता प्रथम स्थान- शाकिर अली एडवोकेट उपविजेता- राजकुमार गौतम एडवोकेट सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। आयोजन में सहयोग करने वाले सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर पलटी प्राइवेट बस, 100 यात्रियों की बाल-बाल बची जान

लखीमपुर से दिल्ली जा रही एक निजी बस शनिवार को लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर नयागांव अंडरपास के ऊपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 100 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई।लखीमपुर से दिल्ली जा रही एक निजी बस शनिवार को लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर नयागांव अंडरपास के ऊपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 100 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। कटघर थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। दुर्घटना के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। इसके बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को क्रेन की मदद से हाईवे से हटवाकर किनारे खड़ा कराया, जिससे यातायात दोबारा सुचारु रूप से शुरू हो सका। पुलिस के अनुसार, हादसे में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। कि किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आज माध्यमिक शिक्षा विभाग रोपित करेगा 18,700 पौधे, कंट्रोल रूम से होगी मॉनिटरिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली।प्रदेश सरकार के निर्देश पर 12 जुलाई रविवार को जिले में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस महाअभियान के तहत जिले में कुल 43,58,300 पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें माध्यमिक शिक्षा विभाग को 18,700 पौधरोपित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी कर सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बताया कि रोपे गए सभी पौधों की प्रामाणिकता जांचने के लिए निर्धारित मोबाइल ऐप के माध्यम से उनकी जियो टैगिंग की जाएगी। इसके साथ ही पौधारोपण की तस्वीरें विभागीय व्हाट्सएप ग्रुप पर भी साझा करनी होंगी। इस महाभियान की निगरानी के लिए डीआईओएस कार्यालय में एक विशेष कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। रविवार सुबह छह बजे से ही कंट्रोल रूम सक्रिय हो जाएगा और माध्यमिक विद्यालयों में हो रहे पौधारोपण की प्रत्येक घंटे की प्रगति रिपोर्ट नोडल अधिकारियों के माध्यम से यहां संकलित की जाएगी। सुचारू व्यवस्था के लिए जिले के विभिन्न राजकीय इंटर कॉलेजों और हाईस्कूलों के वरिष्ठ शिक्षकों व कर्मचारियों को कंट्रोल रूम में प्रतिनियुक्त कर कड़ाई से नियमों का अनुपालन करने को कहा गया है।

करोड़ों की ठगी का आरोपी कन्हैया गुलाटी पर 50 हजार का इनाम, रेड कॉर्नर नोटिस जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सैकड़ों लोगों से निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये ठगी करने के आरोपी कैनविज कंपनी के निदेशक कन्हैया गुलाटी पर इनाम की राशि को बढ़ाकर अब 50 हजार रुपये कर दिया गया है। पिछले दिनों एसएसपी ने उस पर 25 हजार रुपये इनाम घोषित किया था। अब डीआईजी ने इनाम की राशि को बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है। गुलाटी के पत्नी और बेटे के साथ विदेश भागने की आशंका है। कन्हैया गुलाटी, उसकी पत्नी और बेटे के खिलाफ ठगी के 80 मामले दर्ज हैं। ठगी के शिकार निवेशक उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर कई दिन से धरना भी दे रहे हैं। गुलाटी की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी भी गठित की गई है, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आ रहा। गुलाटी ने बरेली मंडल के अलावा उत्तराखंड, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में भी लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की है। आरोपी कन्हैया गुलाटी की गिरफ्तारी को लेकर एसआईटी कई जिलों और पड़ोसी राज्यों में संभावित ठिकानों पर दबिश दे चुकी है। उसके विदेश भाने की आशंका के चलते अब रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस एजेंसियों को किसी अंतरराष्ट्रीय अपराधी या भगोड़े का पता लगाने और उसे अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने के लिए जारी किया गया एक अंतरराष्ट्रीय अनुरोध होता है।

किराएदार मां बेटे ने निवेश के नाम पर महिला से ठगे 25 लाख, रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। किराये पर रहने वाले मां-बेटे ने मकान मालिक को फैक्ट्री में निवेश कराकर मोटा फायदा होने की बात कहते हुए 25 लाख रुपये ले लिए। अब रुपये वापस मांगने पर वे उन्हें धमका रहे हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीलीभीत रोड स्थित विष्णु धाम कॉलोनी निवासी राखी गंगवार पत्नी कृष्णपाल गंगवार ने बताया कि 2023 में उनके मकान में रामपुर के चाऊपुरा वार्ड 11 निवासी रोहित कुमार और उसकी मां किराए पर रहते थे। दोनों ने बताया कि उन्होंने परसाखेड़ा में किराये का गोदाम लेकर उसमें बोतल बनाने की फैक्ट्री लगाई है। मोटा मुनाफा होता है। रोहित ने राखी से फैक्ट्री में पार्टनर बनने के लिए कहा तो वह उनकी बातों में आ गई और लगभग 25 लाख रुपये उन्होंने रोहित को दे दिए। इसके साथ ही रोहित ने जबरन उनकी सोने की चेन अपने लॉकर में रख ली। आरोप है कि मां-बेटे ने उनके द्वारा तैयार किए गए कागजात भी अपने पास में रख लिए है। इसके साथ ही वह उनसे 10 लाख रुपये की मांग भी कर रहे है। साथ ही उन्हें धमकी भी दे रहे है। पीड़िता ने इसकी शिकायत एडीजी से की। जिसके बाद इज्जतनगर पुलिस ने आरोपी मां-बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुभाषनगर पुलिस ने 5.840 किलो डोडा छिलका समेत शातिर तस्कर को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनपद में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सुभाषनगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 5 किलो 840 ग्राम डोडा छिलका के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान कुलदीप यादव (23 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बदायूं का रहने वाला है और वर्तमान में सुभाषनगर क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में डोडा छिलका बरामद कर उसके खिलाफ मु0अ0सं0 479/2026, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह डोडा छिलका उत्तराखंड में सप्लाई करने जा रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पर पहले से चोरी, आर्म्स एक्ट और अन्य संगीन धाराओं सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन के नेतृत्व में थाना सुभाषनगर पुलिस टीम ने सिठौरा-सराय तल्फी रोड स्थित बिजलीघर तिराहे के पास की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया।

पवित्र माह श्रावण मास में कांवड़ यात्रा को लेकर बरेली पुलिस अलर्ट, SSP अनुराग आर्य ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आगामी पवित्र माह श्रावण मास में कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर व्यापक रणनीति तैयार की।

बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसएसपी ने बताया कि इस वर्ष प्रत्येक थाने में कांवड़ सेल का गठन किया गया है। प्रत्येक कांवड़ जत्थे के साथ पुलिस का नोडल अधिकारी रहेगा, जबकि पूरे जनपद को सुपर जोन, जोन, सेक्टर और सब-सेक्टर में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। कांवड़ मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल, सीसीटीवी कैमरे, अस्थायी पुलिस चौकियां, बाइक मोबाइल, पीआरवी, एम्बुलेंस और फर्स्ट एड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखते हुए अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। श्रावण मास के दौरान सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और शांतिपूर्ण यात्रा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

मिशन शक्ति -5 के तहत पुलिस का व्यापक जनजागरुकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शक्ति मोबाइल टीम द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौपाल, संवाद एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों एवं सहायता सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें शक्ति दीदी के रूप में निडर होकर अपनी बात रखने एवं किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से अन्य गोपनीय जानकारियां किसी से साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने तथा किसी भी साइबर आपात स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के संबंध में जानकारी दी गई।

कीटनाशक दुकानों पर अधिकारियों की छापेमारी

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती । जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग के आदेश पर जिले में कृषि अधिकारियों द्वारा तहसील वार टीम बनाकर पेस्टीसाइड के विनिर्माताओं/विक्रेताओं के यहां छापेमारी की गई। जिला कृषि रक्षा अधिकारी नत्थू लाल गंगवार ने बताया कि जिले में किसान भाईयों को खरीफ फसल में उच्च गुणवत्ता के रसायन सही मूल्य पर उपलब्ध कराने हेतु शासन के निर्देश के क्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में स्थिति पेस्टीसाइड के विनिर्माताओं/विक्रेताओं के यहां कीटनाशी निरीक्षकों/अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर आकस्मिक छापे आयोजित किये गये। जिला कृषि अधिकारी द्वारा तहसील जमुनहा में कुल 04 दुकानों का निरीक्षण किया गया, तथा कुल 02 नमूनें ग्रहित किये गयें एवं उप कृषि निदेशक द्वारा तहसील भिनगा में कुल 05 दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिला कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा तहसील इकौना में कुल 06 दुकानों का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के समय 04 नमूनें ग्रहित किये गयें तथा अभिलेखों का निरीक्षण करने के साथ किसानों को कैश मेमो उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। साथ में विकास कुमार, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक उपस्थित रहें, निरीक्षण के दौरान 06 विनिर्माताओं/विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

वृक्षारोपण जनजागरुकता हेतु वनाधिकारी द्वारा प्रचार वाहन को किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती हरित क्रांति वन महोत्सव 2026 के अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी श्रावस्ती व उपप्रभागीय वन अधिकारी के - निर्देशानुसार वन क्षेत्र हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्रीय वन अधिकारी हरिनारायण सिंह के नेतृत्व में वन दरोगा अजय कुमार कश्यप द्वारा सुजान डीह पौधशाला से वृक्षों से होने वाले लाभ से आम जनमानस में वृक्षारोपण के प्रति जन जागरूकता स्थापित करने हेतु प्रचार प्रसार वाहन को रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि यह प्रचार वाहन वन क्षेत्र हरदत्त नगर गिरन्ट रेंज के सभी गांवों कस्बों में जाकर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा प्रत्येक नागरिक से एक पेड़ मां के नाम लगाने हेतु प्रेरित करेगा। इस वृक्षा रोपड जनजागरूकता महाअभियान के रथ को रवाना किया। इस मौके पर वन दरोगा अजय कश्यप वनरक्षक प्रदीप कुमार सिंह, विभागीय कर्मचारी और ग्रामवासीगण मौजूद रहे।

डिलारी पुलिस की कार्रवाई, शांति भंग में तीन गिरफ्तार, भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी- मुरादाबाद। जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से थाना डिलारी पुलिस ने शुक्रवार को निवारक कार्रवाई करते हुए दो पक्षों के तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार प्रथम पक्ष से मतलूब अली एवं अजमत अली पुत्र बन्ने हाजी निवासी ग्राम सलेमसराय, थाना डिलारी, तथा द्वितीय पक्ष से मोहम्मद नदीम पुत्र मुस्तफा हसन निवासी ग्राम सलेमसराय, थाना डिलारी को शान्ति भंग की धारा में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। थाना डिलारी पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की निवारक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अधिकारी की पत्नी के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी,कैफे संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । एक सैन्य अफसर की पत्नी के अश्लील फोटो बनाकर वायरल करने और यौन उत्पीड़न की धमकी देने का मामला सामने आया है। सैन्य अधिकारी ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सैन्य अफसर के अनुसार, उनकी पत्नी घर में रहती हैं। दो अप्रैल को उन्होंने अपने आवासीय परिसर का एक हिस्सा कैफे चलाने के लिए रोहित सक्सेना को किराए पर दिया था। रोहित ने पुलिस सत्यापन की रसीद तो दी, लेकिन कभी सत्यापन प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया। उत्पीड़न और धमकी का आरोप- परिसर खाली करने के बाद से ही रोहित सक्सेना ने सैन्य अफसर की पत्नी और उनके परिवार को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। रोहित पर सैन्य अफसर की पत्नी की तस्वीरों को एडिट कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देने का आरोप है। उसने आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ तस्वीरें पोस्ट करने की भी धमकी दी। रोहित ने महिला और उनके परिवार से धन की मांग की। उसने धमकी दी कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं हुई तो वह उन्हें बदनाम करेगा। आरोपी ने सैन्य अफसर की पत्नी को फोन पर अश्लील संदेश भी भेजे। सैन्य अधिकारी ने एसएसपी अनुराग आर्य से मिलकर रोहित सक्सेना की शिकायत की। उनके आदेश पर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

समय पर परीक्षा, रिजल्ट के लिए कैंपस परीक्षा सेल का हुआ गठन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं को और अधिक सुव्यवस्थित तथा समयबद्ध बनाने के लिए कैंपस परीक्षा सेल का गठन किया गया है। इस नई सेल के गठन का मुख्य उद्देश्य कैंपस में होने वाली परीक्षाओं, कॉपियों के मूल्यांकन और परीक्षा परिणामों को बिना किसी देरी के समय पर तैयार करवाना है, जिससे छात्रों का सत्र नियमित रहे। इस सेल के गठन से छात्रों को अपनी परीक्षाओं और रुके हुए या आगामी परीक्षा परिणामों के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सभी कार्य अब एक निश्चित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे। भौतिक विज्ञान विभाग की प्रो. अर्चना गुप्ता को इस नवनिर्मित कैम्पस परीक्षा सेल का संयोजक बनाया गया है।

बरेली में दुर्लभ मामला ! 3 माह के मासूम के पेट से निकला 8 सप्ताह का भ्रूण, डॉक्टर भी रह गए हैरान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । एक बेहद दुर्लभ और चौंकाने वाला मेडिकल मामला सामने आया है। शाहजहांपुर के कलान निवासी तीन माह के मासूम मंजेश के पेट से सर्जरी के जरिए करीब आठ सप्ताह का भ्रूण निकाला गया। डॉक्टरों के अनुसार इस दुर्लभ स्थिति को फीटस इन फीटू कहा जाता है, जिसके मामले पूरी दुनिया में बेहद कम देखने को मिलते हैं। मासूम को दूध पचाने में दिक्कत होने पर जांच कराई गई तो लिवर के नीचे एक विकसित होता भ्रूण मिला, जिसमें बाल, हड्डियां और अंगुलियां बनने लगी थीं। एक अस्पताल ने ऑपरेशन से इनकार कर दिया, जिसके बाद परिजन बच्चे को बरेली के रामपुर गार्डन स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. राजीव अग्रवाल ने अपने पुराने अनुभव के आधार पर करीब दो घंटे तक चली सफल सर्जरी कर भ्रूण को बाहर निकाला और मासूम की जान बचाई। डॉक्टरों का कहना है कि पिछले एक दशक में दुनिया भर में ऐसे लगभग 300 मामले ही सामने आए हैं, जबकि बरेली में यह दूसरा मामला माना जा रहा है। यह सफल ऑपरेशन चिकित्सा जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

फर्रुखाबाद में 193 पेयजल परियोजनाएं पूरी: 381 में से 159 पानी की टंकियों का निर्माण अभी अधूरा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को 11 बजे हुई। बैठक में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि 193 पेयजल परियोजनाओं का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 381 पानी की टंकियों में से 222 का निर्माण हुआ है और 159 टंकियां अभी अधूरी हैं। जिलाधिकारी ने योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जोर देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है और इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ. लाठर ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्माणाधीन योजनाओं के सभी कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं पर श्रमिकों की कम संख्या पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यकतानुसार श्रमिकों की संख्या बढ़ाने को कहा। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन 58 पेयजल योजनाओं का कार्य 75 से 100 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है, उन्हें सितंबर माह तक हर हाल में पूरा कर संचालित किया जाए। बैठक में यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि पूर्ण हो चुकी 71 पेयजल योजनाओं का शीघ्र अनुरक्षण और नियमित संचालन किया जाए। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को निर्बाध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। बैठक के दौरान कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। मैसर्स जीवीपीआर इंजीनियर्स लिमिटेड ने अब तक 71 उच्च जलाशयों का निर्माण, 234 ग्रामों में नियमित पेयजल आपूर्ति और 64 योजनाओं का %हर घर जल% प्रमाणीकरण पूरा किया है। इसी प्रकार, मैसर्स बीटीएल गंगा द्वारा 151 उच्च जलाशयों का निर्माण, 122 योजनाओं में नियमित पेयजल आपूर्ति और 176 योजनाओं का %हर घर जल% प्रमाणीकरण पूर्ण कराया जा चुका है।

भुता क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय अहिरोला में बाहरी व्यक्ति के बच्चों को पढ़ाने का वीडियो वायरल

शिक्षामित्र ने लगाए गंभीर आरोप; शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / भुता। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय अहिरोला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने बेसिक शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कक्षा के भीतर बच्चों को पढ़ाता हुआ दिखाई दे रहा है। आरोप है कि यह व्यक्ति विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका के पति हैं, जबकि उनकी विद्यालय में किसी प्रकार की अधिकृत नियुक्ति नहीं है। विद्यालय के शिक्षामित्र जगरानी ने आरोप लगाया कि शनिवार को बारिश के कारण वह लगभग 20 मिनट की देरी से विद्यालय पहुंचीं, जिसके बाद इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने उपस्थिति रजिस्टर पर उनके हस्ताक्षर नहीं करने दिए। उनका आरोप है कि विद्यालय के प्रशासनिक कार्यों से लेकर शिक्षण व्यवस्था तक में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका के पति हस्तक्षेप करते हैं और विद्यालय का संचालन भी वही करते हैं। शिक्षामित्र का यह भी कहना है कि विद्यालय में पूरा स्टाफ महिला शिक्षिकाओं का है, फिर भी इंचार्ज प्रधानाध्यापिका के पति नियमित रूप से विद्यालय में मौजूद रहते हैं। उनका आरोप है कि जैसे ही कोई अधिकारी या बाहरी व्यक्ति विद्यालय पहुंचता है, वह तत्काल वहां से निकल जाते हैं या स्वयं को छिपा लेते हैं। वायरल वीडियो ने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि विद्यालय में बाहरी व्यक्ति नियमित रूप से बच्चों को पढ़ा रहा है, तो उसकी अनुमति किसने दी? यदि ऐसा नहीं है, तो वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति कक्षा के भीतर बच्चों को पढ़ाते हुए कैसे नजर आ रहा है? इन सवालों के जवाब शिक्षा विभाग की जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे। इस संबंध में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका उमा ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनके पति विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य नहीं करते। उनका कहना है कि कभी-कभी बच्चों के पूछने पर वह केवल समझा देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षामित्र अक्सर देर से विद्यालय आती हैं। शनिवार को देरी से आने के कारण उपस्थिति रजिस्टर में उनके नाम के सामने लाइन खींच दी गई थी, जिससे नाराज होकर उन्होंने वीडियो बनाकर अनर्गल आरोप लगाए हैं। अब देखना यह होगा कि बेसिक शिक्षा विभाग वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों को कितनी गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराता है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न होगा।

रात्रि में घर में घुसकर किशोरी के साथ युवक ने की छेड़छाड़

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / भुता, थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार रात्रि में गांव का ही युवक ने एक घर में घुसकर सो रही किशोरी के साथ छेड़छाड़ की है। पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पीड़ित पिता ने बताया शुक्रवार को अपने घर में पत्नी व बच्चों के साथ सो रहा था। की रात लगभग 11:00 बजे अचानक मेरी नाबालिक बेटी की चिल्लाने की आवाज सुनाई दी।

और हम सब लोगों की आंख खुल गई। की देखा गांव निवासी विपिन पुत्र सेवाराम मेरी बेटी के साथ जबरदस्ती छेड़छाड़ कर रहा था। आरोपी रात्रि में किसी समय छत के रास्ते से घर में घुस आया था। चीकने चिल्लाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गया। पीड़ित पिता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। इधर थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच व आरोपी की तलाश कर रही है।

स्कूल बस हादसे में घायल बच्चों का हाल जानने मेडिकल कॉलेज पहुंचे डीएम व एसपी , बेहतर उपचार के दिए निर्देश, परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ उरई-जालौन मार्ग पर सेठ एम.आर. जयपुरिया पब्लिक स्कूल की बस दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई पहुंचे और घायल बच्चों का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार की जानकारी लेते हुए सभी बच्चों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालय की छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर जालौन जा रही स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई, जिससे लगभग कुछ बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल बच्चों को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज में जिलाधिकारी ने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बच्चों के परिजनों से भी मुलाकात कर हरसंभव प्रशासनिक सहायता का भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच कराई जा रही है। साथ ही स्कूली वाहनों की फिटनेस, सुरक्षा मानकों एवं यातायात नियमों के अनुपालन के लिए विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मानकों के विपरीत संचालित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फर्रुखाबाद में एक पेड़ मां के नाम अभियान: 40.93 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य, लोगों से सहयोग करने की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद में 12 जुलाई को %एक पेड़ मां के नाम% अभियान के तहत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। डीएफओ ने शनिवार को 12 बजे बताया जिले में 40.93 लाख पौधे लगाए जाएंगे। प्रशासन ने इस महाअभियान को जन आंदोलन का रूप देने की तैयारी पूरी कर ली है। अभियान का मुख्य शुभारंभ मोहम्मदाबाद सेक्शन के दरौन्दी ग्राम समाज में होगा, जहां 5 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण किया जाएगा। इस स्थल पर पीपल, बरगद, पाकड़, गूलर, अर्जुन और नीम जैसी प्रजातियों के लगभग 8,000 पौधे रोपे जाएंगे। जिले को इस वर्ष कुल 45,74,800 पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। 12 जुलाई को वन विभाग 21 लाख पौधे लगाएगा, जबकि अन्य सरकारी विभाग 19.93 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य पूरा करेंगे। वन विभाग कुल 1,360.82 हेक्टेयर में 121 स्थलों पर 21,75,000 पौधे लगाएगा, वहीं अन्य विभाग 3,622 स्थलों पर 23,99,800 पौधे लगाएंगे। वर्तमान में वन विभाग के पास कुल 58,30,414 पौधे उपलब्ध हैं। हथियापुर, गोटिया, सिंधी और निनौआ जैसी विभागीय पौधशालाओं में 50 से अधिक प्रजातियों के पौधे निःशुल्क वितरण के लिए तैयार हैं। डीएफओ ने इस वृक्षारोपण महायज्ञ को सफल बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों, जिला स्तरीय अधिकारियों, स्कूली छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, एनजीओ और आम जनता से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है। प्रशासन ने जनपदवासियों से आग्रह किया है कि वे न केवल अधिक से अधिक पौधे लगाएं, बल्कि उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएं, ताकि जिले का हरित आवरण बढ़ सके।

संक्षिप्त समाचार

होटल बा रेस्टोरेंट व ढावो में पुलिस चेकिंग से हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच। उस समय होटलों और ढावा संचालकों में हड़कंप मच गया जब अचानक चेकिंग के लिए पुलिस जा धमकी। दरअसल, अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने और शांति सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस ने कस्बे में खुले होटलों, रेस्टोरेंट एवं ढावों की चेकिंग कर व्यवस्थाएं जांची और संचालकों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिले के पुलिस कप्तान विनय कुमार सिंह के निर्देश पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने नगर के विभिन्न इलाकों में खुले होटलों, रेस्टोरेंट एवं ढावों की चेकिंग की। पुलिस ने होटलों में ठहरने वाले लोगों की होने वाली एंट्री से संबंधित रजिस्टर चेक करते हुए सीसीटीवी कैमरों की स्थिति जांची। प्रभारी निरीक्षक ने होटल संचालकों को निर्देश दिए कि जो भी व्यक्ति होटल में ठहरता है उसका पूरा विवरण स्पष्ट रूप से दर्ज करें और संदिग्ध व्यक्ति अथवा संदिग्ध सामान नजर आए तो इसकी सूचना तत्काल ही पुलिस को दें। उन्होंने यह भी कहा कि शराब जुआ से लेकर अन्य अवैध गतिविधियों को न होने दें वरना कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कोई व्यक्ति यदि अराजकता फैलाने की कोशिश करता है तो इसकी सूचना पुलिस को दें।

थाना समाधान दिवस का आयोजन नदीगांव थाने में हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। आज शासन के निर्देश पर दूसरे शनिवार को थाना नदीगांव के परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें नदीगांव थाने के प्रभारी राजकुमार चौधरी ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनके निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिये इस अवसर थानाध्यक्ष राज कुमार चौधरी ने कहा कि फरियादियों की आने वाली समस्या ओ को समय सीमा के साथ पूरी निष्पक्षता के साथ निस्तारण किया जावे इस अवसर पर दरोगा सुनील कुमार सेनी राजस्व लेखपाल अखिलेश कुशवाहा महेश प्रसाद दीवान उदय सिंह यादव सिपाही गजेंद्र सिंह सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

62वीं वाहिनी भिनगा ने चैम्पियन बनने का गौरव, फाइनल में 42वीं वाहिनी बहराइच-I को 3-1 से दी शिकस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती- 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा 06 से 11 जुलाई 2026 तक आयोजित अंतर वाहिनी फुटबॉल प्रतियोगिता का शनिवार को भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल मुकाबले में मेज़बान 62वीं वाहिनी, भिनगा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 42वीं वाहिनी, बहराइच-I को 3-1 से पराजित कर लगातार अपना चैम्पियन खिताब बरकरार रखा। फाइनल मुकाबले का शुभारंभ 62वीं वाहिनी के कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण एवं श्रावस्ती के अतिरिक्त जिला अधिकारी (प्रशासन) ललित कुमार द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। दोनों अधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दीं। मैच के दौरान दोनों टीमों ने उच्च स्तरीय खेल कौशल, अनुशासन और अद्भुत टीम भावना का परिचय दिया। तेज़ आक्रमण, सटीक पासिंग, मजबूत रक्षा पंक्ति और बेहतरीन तालमेल ने पूरे मुकाबले को रोमांच से भर दिया। निर्धारित समय की समाप्ति पर 62वीं वाहिनी ने 42वीं वाहिनी बहराइच-I को 3-1 से पराजित कर लगातार चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया। विजेता टीम की इस शानदार सफलता में सहायक उप निरीक्षक (स्ट्र) एम. किरन कुमार सिंह की कुशल कप्तानी, प्रभावी नेतृत्व, रणनीतिक सोच एवं खिलाड़ियों के बीच उत्कृष्ट समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके नेतृत्व में पूरी टीम ने आत्मविश्वास, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और जुझारू खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यादगार जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में आरक्षी बेनत तारो ने पूरे टूर्नामेंट में सर्वाधिक 14 गोल दागकर %प्लेयर ऑफ द सीरीज% का पुरस्कार अपने नाम किया। उनकी तेज़ रफ्तार, सटीक फिनिशिंग और आक्रामक खेल शैली ने 62वीं वाहिनी की सफलता में निर्णायक भूमिका निभाई तथा वे प्रतियोगिता के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी बनकर उभरे। पुरस्कार वितरण समारोह में कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण ने विजेता एवं उपविजेता दोनों टीमों को बधाई देते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएँ जवानों में शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं आपसी समन्वय विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह, समर्पण और खेल भावना के साथ भाग लेने का आह्वान किया।

दस्तक अभियान की तैयारियां तेज, 14 जुलाई से घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य टीम

कलेक्टर अर्पित वर्मा बोले– टीम भावना से करें काम, लक्ष्य से कम उपलब्धि स्वीकार नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में 14 जुलाई से शुरू होने वाले दस्तक अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने शनिवार को स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त समीक्षा बैठक में अधिकारियों की ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक चलने वाले अभियान के दौरान सभी विभाग आपसी समन्वय और टीम भावना से कार्य करें, ताकि जिले के प्रत्येक पात्र बच्चे तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें।

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को जिंक की गोलियां, ओआरएस के पैकेट तथा पांच वर्ष तक के बच्चों को आयरन सिरप वितरित करेंगी। उन्होंने अभियान से संबंधित समस्त जानकारी और डाटा का दो दिनों के भीतर शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। हर मंगलवार बच्चों को खिलाई जाएगी आयरन की गोली एनीमिया मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों में प्रत्येक मंगलवार को कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को गुलाबी आयरन गोली तथा कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों नीली आयरन गोली अनिवार्य रूप से खिलाई जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य योजनाओं की भी हुई समीक्षा बैठक में नियमित टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड, गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन, सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। अनुपस्थित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के प्रभारी राजेंद्र शर्मा के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर अर्पित वर्मा ने नाराजगी जताते हुए उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय को प्रदेश में मिला प्रथम स्थान, वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वार्डन वंदना वर्मा को सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच के शिक्षा क्षेत्र में काफी खुशी की बात है कि पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ और हरित क्रांति को लेकर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोंच को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है इस बड़ी सफलता पर स्थानीय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोंच की वार्डन/ प्रधानाचार्या वंदना वर्मा को वाराणसी में प्रदेश के मुखमंत्री योगी आदित्य नाथ ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है इस बड़ी सफलता और सम्मान मिलने पर स्व रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के डायरेक्टर ई राजीव कुमार रेजा डिप्टी डायरेक्टर डाक्टर नीता रेजा प्रांतीय अध्यक्ष इंजीनियर प्रभाकर अवस्थी प्रांतीय उपाध्यक्ष कुंवर नरसिंह गहरवार एडवोकेट प्रांतीय कोषाध्यक्ष इंजीनियर संजय कुमार रेजा प्रांतीय समन्वयक शिक्षक राम शंकर छानी सरंक्षक संजय गुप्ता लखनऊ प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह ब्रजबल्लभ सिंह सेंगर शिव प्रसाद निरंजन सदस्य शिक्षक संजय सिंघाल मयंक मोहन गुप्ता ठेकेदार बब्बू राजा नरी आनंद गिरवासिया डा आनंद गुप्ता आदि ने खुशी जताई है मालूम हो कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोंच की वार्डन वंदना वर्मा स्व रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट की सदस्य है ।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जिला चिकित्सालय में विधिक साक्षरता शिविर

परिवार नियोजन और जनसंख्या संतुलन का दिया संदेश, संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय शिवपुरी के सभाकक्ष में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी ने की। शिविर को संबोधित करते हुए श्रीमती रंजना चतुर्वेदी ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के बीच संसाधनों का संतुलित उपयोग और परिवार नियोजन समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य जनसंख्या, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक संतुलन के प्रति लोगों को जागरूक करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय सिंह ऋषीश्वर ने परिवार नियोजन, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, संसाधनों के समुचित उपयोग और सतत विकास पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रदीप शर्मा ने कहा कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि का सीधा प्रभाव संसाधनों, पर्यावरण और विकास पर पड़ता है, इसलिए जनसंख्या संतुलन बनाए रखने में समाज की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. आर.पी. सिंह, डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ पवन कुमार चंदेल, निखिल सक्सेना, जिला चिकित्सालय के अधिकारी-कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

फिट वाहन, फिट संचालक, तभी हो वाहन चलने की अनुमति - जिलाधिकारी

स्कूल वाहनों की सुरक्षा से समझौता नहीं, अनफिट वाहनों पर पहली बार 1 लाख व दूसरी बार 2 लाख जुर्माने की संस्तुति

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति की बैठक में स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्थिति में अनफिट वाहन अथवा अयोग्य चालक को विद्यालय परिवहन में अनुमति नहीं दी जाएगी। पूर्व बैठक के निर्देशों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जिन विद्यालयों में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन हो चुका है, उन्हें शासनादेश के अनुरूप प्रत्येक तीन माह में नियमित बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। जिन विद्यालयों द्वारा अभी तक समिति का गठन नहीं किया गया है, उन्हें 15 दिनों के भीतर समिति गठित कर उसकी सूचना जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी 15 दिनों के भीतर पुनः समीक्षा बैठक आयोजित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग द्वारा नोटिस जारी किए गए 09 अनफिट विद्यालयी वाहनों की तत्काल जांच कराने के निर्देश दिए। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जनपद में यदि कोई अनफिट विद्यालयी वाहन पहली बार संचालित पाया जाता है तो उस पर एक लाख रुपये तथा दूसरी बार पकड़े जाने पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाए जाने की संस्तुति की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि मॉडल कंडीशन से बाहर हो चुके वाहनों का स्थलीय सत्यापन कराकर उन्हें स्क्रैप कराया जाए। विद्यालय केवल उन्हीं वाहनों को अनुबंधित करें जो पूरी तरह फिट हों तथा जिनके चालक भी शारीरिक रूप से सक्षम एवं सभी मानकों पर खरे उतरते हों। वाहन चालकों के नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराए जाएं, उनके पुलिस सत्यापन एवं ड्राइविंग लाइसेंस का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए तथा सभी विद्यालयी वाहनों की फिटनेस की सघन जांच सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक विद्यालयी वाहन में सहायक (अटेंडेंट) की उपलब्धता भी अनिवार्य रखने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने अभिभावकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को ऐसे वाहनों से विद्यालय न भेजें जो सुरक्षा मानकों के अनुरूप न हों। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक रविवार को कम से कम चार विद्यालयों में वाहन चालकों के स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, जिससे चालक पूरी तरह स्वस्थ एवं सुरक्षित ढंग से बच्चों का परिवहन कर सकें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राजीव राज, मा0 जलशक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरिन्द्र चौहान, सांसद जालौन-गरौठा-भोगनीपुर के प्रतिनिधि राजीव शर्मा, विधायक कालपी के प्रतिनिधि धर्मेन्द्र सिंह, विधायक सदर के प्रतिनिधि रवीन्द्र प्रताप सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार सहित समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छौक में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ अनुरागिनी संस्था द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छौक परिसर में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं एनीमिया से बचाव के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अनुपमा लोधी रहीं। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक स्वस्थ एवं शिक्षित बेटी ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होती है। उन्होंने कहा कि किशोरियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए तथा संतुलित आहार और व्यक्तिगत स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में किशोरियां एनीमिया से प्रभावित हैं, जिसका सीधा असर उनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि एनीमिया की रोकथाम के लिए पौष्टिक एवं संतुलित भोजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को जंक फूड, अत्यधिक पैकेज्ड खाद्य पदार्थों एवं शीतल पेयों से दूरी बनाने की सलाह देते हुए हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, दालें, अंकुरित अनाज, दूध, दही, गुड़, चना तथा अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने दैनिक भोजन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित हाथ धोने, साफ पेयजल के उपयोग तथा मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जालौन विकास चौधरी ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि बच्चों के समग्र विकास का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि यदि छात्राएं स्वस्थ रहेंगी तो उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और भविष्य भी बेहतर होगा। उन्होंने विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों की आवश्यकता पर बल देते हुए छात्राओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।महिला कल्याण विभाग जालौन की ऋचा द्विवेदी ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य विशेषज्ञ रजनी पाल - ने छात्राओं से सीधा संवाद करते हुए एनीमिया के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत में किशोरियों में खून की कमी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जिससे थकान, कमजोरी, चक्कर आना, पढ़ाई में ध्यान न लगना तथा शारीरिक विकास प्रभावित हो सकता है। उन्होंने बताया कि इससे बचाव के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, पालक, मेथी, सरसों का साग, गुड़, चना, दालें, अंकुरित अनाज, बाजरा, रागी तथा विटामिन-सी युक्त फलों का नियमित सेवन करना चाहिए। साथ ही सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आयरन एवं फोलिक एसिड की साप्ताहिक गोलियों का नियमित सेवन भी आवश्यक है। सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत अतिथियों ने विद्यालय की पोषण वाटिका में पौधरोपण किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि अनुपमा लोधी ने विद्यालय की रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का देखा। इस अवसर पर जिला केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार जालौन के अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राजावत खंड शिक्षा अधिकारी अमर सिंह कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय की प्रधानाचार्य स्वाति श्रीवास्तव एवं वार्डन रेवती कुमारी शिक्षिका प्रियंका भदोरिया प्रतिभा द्विवेदी, उपलब्धि दोहेलिया प्रतिष्ठा श्रीवास्तव मधुबाला चतुर्वेदी सोनल संस्था के श्याम करन प्रजापति नितिन सैनी उपस्थित थे संचालन वर्षा विश्वकर्मा ने किया

संक्षिप्त समाचार

मानई में महिला ने फांसी लगाकर दे दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद : कोतवाली के गांव मानई में एक महिला ने छत में लगे कुंदे से धोती के सहारे लटकर फांसी लगा ली। जानकारी पर लोग इकट्ठा हो गांव के तमाम पहुंची पुलिस ने गए। सूचना पर पोस्टमार्टम के शव को भेजा है। गांव लिए अलीगढ़ विक्की की करीब मानई निवासी 18 वर्ष पूर्व जनपद कासगंज के थाना ढोलना के गांव नगला मोती कुल्लाह निवासी कमलेश के साथ शादी हुई थी। वह 15 वर्ष से परिवार से अलग रहती थी। शुक्रवार की शाम कमलेश ने घर की छत में लगे कुंदे से धोती के सहारे लटककर फांसी लगाली है। घटना की जानकारी पर पुलिस गांव पहुंच गई।पुलिस ने मौजूद लोगों से घटना की जानकारी लेकर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए अलीगढ़ भेजा है। प्रभारीनिरीक्षक विनोद कुमार ने बताया है प्रथमदृष्ट्या महिला ने आत्महत्या की है।तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी। मृतका ने दो बेटों को रोतेबिलखे छोड़ा है।

कुआगांव में युवक को जमकर पीटा चार के खिलाफ रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद : कुआगांव निवासी एक युवक के साथ परिजनों ने जमकर मारपीट कर दी।मामले में पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। पीड़ित कुआगांव निवासी श्यामवीर पुत्र राजेन्द्र ने बताया है बीती आठ जुलाई को अकराबाद में काम समाप्त कर घर खाना खाने आया गया था। तो रास्ते में बैठे राजेन्द्र पुत्र गैंदालाल, देवेन्द्र, दिनेश, किशनवीर, पुत्रगण राजेन्द्र ने उसे देखकर गन्दी गन्दी गालियां देने लगे जब वह इनकी गालियां अनसुनी कर खाना खाके वापस बाजार काम पर जाने लगा तो आरोपियों ने उसे बाजार के पास गली में एमडी फार्म हाऊस पर घेर लिया और ईंट पत्थर से हमला कर घायल कर दिया। मामले के संबंध में प्रभारीनिरीक्षक ने बताया है कि चार लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की जा रही है।

भारतीय स्टेट बैंक मैनेजर को दी भावभीनी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद : कस्बा कौड़ियागंज स्थित स्टेट बैंक परिसर में शुक्रवार को मेनेजर अमित वर्मा के स्थांतरण पर बैंक के कर्मचारियों व कस्बा के गणमान्य लोगों ने उन्हें फूलमालाएं व प्रतीक चिन्ह देकर भावभीनी विदाई दी। मेनेजर अमित वर्मा ने बताया कि उनके तीन वर्ष पांच दिन के कार्यकाल में शाखा का व्यापार लगभग दोगुना हुआ है। प्रियांशु गर्ग, विट्टू वार्ष्णेय,हिमांशु वार्ष्णेय ने बताया है ग्राहक सेवा बेहतर रही। लोगों ने नव आगुंतक मेनेजर अरुण कुमार का भी माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान संचित गोयल,अंकित राय,नरोत्तम सिंह, ललित सिंह, प्रदीप कुमार, भरतसिंह, नवी अहमद, रिषीपालसिंह, नितिन वार्ष्णेय आदि लोग मौजूद रहे।

धनीपुर के दोनों स्कूलों में भयंकर जलवा

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता पूर्व जिलाध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने धनीपुर में चारों तरफ क्षेत्र का दौरा किया धनीपुर के चारों ओर जलभराव की भयंकर स्थिति देखी गई इसे लेकर के किसानों में एवं जनता में रोष देखा गया है भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता पूर्व जिल अध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा है कि गांव धनीपुर में जलभराव की स्थिति काफी गंभीर हो गई है चारों रास्ता ऊपर चारों तरफ बहुत ही गंभीर जलभराव की स्थिति देखी गई है इसके लिए पूर्ण रूप से मेयर जिम्मेदार हैं नगर निगम के अधिकारीयो ने कभी इस गंभीर समस्या की तरफ ध्यान नहीं दिया अगर इन 5 वर्षों में इन समस्याओं की तरफ ध्यान दिया गया होता जो आज स्थिति जलभराव की बनी हुई है वह स्थिति आज की तारीख में दिखाई नहीं देती भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता पूर्व जिलाध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने जूनियर हाई स्कूल धनीपुर का जायजा लिया वहां पर भी गंभीर जलभराव की स्थिति दिखाई दी पूरा स्कूल पानी में डूबा हुआ है इलाकों में पानी भर गया बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है

Anger Problem: Do you also experience excessive anger? Learn about its effects on the body.

People who are prone to excessive anger may be at higher risk of heart attack and stroke than normal individuals. Anger also impacts mental health. Let's explore how anger impacts various body parts and health.

excessive anger. People often explain that anger is a natural threats, unmet needs, or excessive anger is not only frequent or excessive anger body? People often consider whereas medical science links it reactions in the body. When and cortisol increase rapidly in blood pressure, breathing rate, have also found that people of heart attack and stroke. The anger is not good - Medical minutes, it is harmless. frequently, it can increase the heart disease, stroke, news is that anger can be Regular exercise, adequate techniques can be helpful. Let's Increased blood pressure - You probably know someone who is prone to avoid such individuals. Mental health experts survival mechanism that occurs in the face of violated boundaries. However, frequent or socially harmful but also health-related. Can harm not only relationships but also your entire anger to be merely an emotional reaction, to numerous biological and hormonal you get angry, stress hormones like adrenaline the body. This directly affects the heart, brain, and even the digestive system. Several studies who get angry frequently have a higher risk question then is how to control anger? Excessive reports show that while anger lasts for a few However, if you get angry repeatedly or risk of problems like high blood pressure, depression, and weakened immunity. The good controlled by adopting effective methods. sleep, meditation, and deep breathing explore the effects of anger on the body. During anger, blood vessels constrict, causing a sudden increase in blood pressure. Long-term, uncontrolled blood pressure can damage the heart, kidneys, eyes, and brain's blood vessels. Therefore, people with pre-existing high blood pressure should regularly practice stress and anger management. Effects on the heart: During anger, the heart has to work harder than normal. The surge in adrenaline causes the heart to pump blood faster, increasing both heart rate and blood pressure. If a person already has high blood pressure, heart disease, or blockage, anger can trigger a heart attack or angina. Several studies have also found that the risk of heart attack and stroke increases for a few hours immediately following intense anger. It's important for heart patients to control their anger. What impact does it have on the brain? In extreme anger, the parts of the brain responsible for reasoning and decision-making become less effective. This is why angry people often make hasty decisions or say things they later regret. Chronic stress and anger can also negatively impact memory loss, lack of concentration, and mental balance. How to control anger? Health experts recommend the 90-second rule for controlling anger. Before reacting immediately to anything, take a 90-second break and breathe slowly and deeply. Try to distance yourself, even if just by going for a short walk. This can reduce stress hormones. Avoid reacting immediately to emotions. Find out the real reason for anger. Anger is often a way to hide stress, frustration, fear, or sadness.

BSNL launches a phone that works without a network connection; find out who can and cannot buy it.

BSNL's satellite phone has sparked widespread discussion across the country. It's worth noting that purchasing this phone requires additional permission. These phones raise many questions, which you should also know about.

BSNL has launched a unique phone that works phone will work perfectly in remote areas, mobile networks are not available. Voice calling space. In this article, let's answer some important for ordinary people, its price, and where it can No ordinary citizen can directly purchase this reasons, special and additional permission is Telecommunications to own and use this phone. departments, the military, disaster management cost of this satellite phone, including taxes, is: If need to spend a significant amount, including launched by BSNL, including taxes, is ?1,34,166, and messaging packs also attract separate and directly to satellites in space. Where can I find mobile store or any e-commerce website like In a revolutionary move, state-owned telecom company directly via satellite, even without a mobile network. This forests, mountains, or disaster-affected areas where regular and messaging can be done directly through satellites in questions about this phone, such as whether it's affordable be purchased. Permission is required to purchase this phone: BSNL satellite phone. Due to national security and technical required from the government's Department of Typically, this phone is only allotted to government teams, naval vessels, and mountain-based agencies. The total you want to purchase this high-tech satellite phone, you'll the permit. The total price of this new satellite phone, or approximately 1.5 lakh rupees. Additionally, its calling higher charges than regular mobile recharges, as it connects this phone? You can't buy this phone from your nearest Flipkart or Amazon. To purchase it, you must contact the BSNL office in your district for official approval. To apply for the necessary permissions and obtain more information, you can visit your nearest main BSNL office or call the customer care number +91-9465101323. This is how this technology works: This satellite phone doesn't rely on ground-based mobile towers like regular phones. It has a special antenna that receives signals directly from satellites floating in the sky. This is the reason that even when a major disaster occurs in the country or all the mobile towers collapse due to an earthquake, this phone is 100% capable of maintaining contact with the entire world without any interruption.

Chandipura virus alert in Gujarat: It directly attacks the brain; learn how to identify it

Following the recent death of a child in Gujarat, the health department has increased vigilance regarding the Chandipura virus. Samples have been sent to laboratories for testing of suspected cases, and surveillance has been intensified in affected areas. Find out what this virus is. With the arrival of monsoon, the risk of various infectious diseases increases in the country. In a report published in Amar Ujala, we alerted people about the dangers of dengue, malaria, and chikungunya these days. Meanwhile, health experts have cautioned people about cases of Chandipura virus in Gujarat. The death of a six-year-old child from Rajasthan while undergoing treatment at Himmatnagar Civil Hospital in Sabarkantha district has raised new concerns about the spread of Chandipura virus in the state. According to hospital officials, the child was admitted four days ago. Five suspected cases were also reported at Himmatnagar Civil Hospital. Two of these children tested negative and were discharged, while results of the other patients are awaited. Hospital records show that seven suspected Chandipura virus patients were admitted between June 26 and July 9. Three children have died during this period. Health experts say several factors can make this virus infection severe and fatal. Increased risk of encephalitis in infected individuals: Chandipura is not a new virus; cases have been reported previously. Cases were reported in several cities in Gujarat in 2024. Along with Gujarat, cases were also reported in Madhya Pradesh and Rajasthan. According to media reports, Chandipura virus primarily affects children. In many cases, a patient's condition can become severe within a day or two of infection. This infection begins with a simple fever and headache. In some patients, the virus can rapidly spread to the brain and cause acute encephalitis syndrome, or brain inflammation. If not treated promptly, it can be fatal. Learn about Chandipura virus: Chandipura is a virus in the Rhabdoviridae family. It was first identified in 1965 in Chandipur village, Maharashtra. This virus primarily affects children and increases the risk of developing acute encephalitis syndrome. It is transmitted through the bites of mosquitoes, ticks, and certain types of flies. Initial symptoms of infection with this virus may resemble a common viral fever. However, patients may gradually experience a high fever, headache, body aches, and weakness. Within a few hours or a day or two, many children may develop symptoms such as vomiting, extreme lethargy, irritability, seizures, confusion, and unconsciousness. If the virus affects the brain, it increases the risk of brain swelling. The risk increases during the monsoon season: According to medical reports, Chandipura virus outbreaks are most prevalent during the monsoon season. The increased humidity during these times significantly increases the risk of phlebotomine sandflies. The risk is particularly high in rural areas, where people and livestock live in close proximity. Health experts say that cleanliness, proper waste disposal, and pest control are crucial to reducing the risk of Chandipura virus. People should be more vigilant in areas where cases of this virus have been reported previously. How to prevent Chandipura virus: There is currently no approved vaccine or specific antiviral medication available for Chandipura virus, so prevention is the most effective approach. To protect children from insect bites, it is recommended to wear full-sleeved clothing and use mosquito nets while sleeping. Additionally, maintain cleanliness around the home and use insect repellent. Young children are considered most at risk, as the infection can quickly become severe in them. If high fever is accompanied by seizures, vomiting, unconsciousness, or extreme lethargy, one should immediately seek medical attention. Timely medical attention increases the chances of survival.

"Every family has differences," Prince Narula said on rumors of divorce from Yuvika; he said, "I couldn't sleep for six months."

There's been a lot of speculation surrounding Prince Narula and Yuvika Chaudhary's relationship. Now, Prince has responded to rumors of his separation from Yuvika. Find out what he had to say... Behind his confident demeanor on reality TV, Prince Narula was fighting a silent and debilitating battle. Recently, Prince Narula and his wife Yuvika Chaudhary opened up about a difficult period in their lives. They faced months of severe panic attacks, described how they fear. No one in their village knew about sleepless nights, and constant a conversation on Neha Dhupia and Angad anxiety and depression. During Prince Narula said he never imagined he Bedi's show "Double Date," himself. Growing up in a small village in would one day face anxiety mental health. Looking back, he admits that Punjab, no one talked about misunderstood. He admitted that he came for many years he was one knew what anxiety meant. He would from an environment where no anxiety or depression, telling them to just mock people who talked about he wanted everyone to understand that it go out and have fun. However, a separation from the world. Prince was a real thing. Anxiety led to my heart would start pounding recalled, "When I had anxiety, my car in traffic. I would suddenly get up uncontrollably. I would leave with friends because I had trouble and run while watching movies hardest. I couldn't sleep for six months breathing. The nights were the afraid of the dark. I stopped working, straight. I became genuinely everyone, and disappeared from the world." distanced myself from affect my mental and physical health. My Anxiety gradually began to liver began to show signs of fatigue. I was cholesterol levels soared. My experienced before. At its worst, I was battling health issues I'd never taking 18 pills every day. I truly believed that if I fell asleep, I'd never wake up. So, I dreaded sleep and tried my best to avoid it. I wanted to spend every moment with my daughter. I convinced myself I had every disease in the world. Prince also addressed the rumors surrounding his marriage to Yuvika. He said they never considered leaving each other. Every family has differences, but that doesn't mean people should end their relationship. Yuvika is everything to him, and the thought of leaving her never crossed his mind. Prince also revealed that he lost about 20 kilograms during that difficult period.

Where is Mona Lisa, who went viral at the Kumbh Mela? Kerala High Court cancels police protection, lawyer makes this big claim

The Kerala High Court has canceled its decision regarding Mona Lisa, known as Viral Girl. This decision relates to providing police protection to her. Find out what the whole matter is... Viral Girl Monalisa is once again in the news. The reason is that on Friday, the Kerala High Court canceled its previous order granting Monalisa protection. This order directed the police to provide Monalisa protection after her husband was accused of kidnapping her. The next hearing will be on July 21st. The girl's lawyer, P.S. Anishad, stated that the police told Justice Bechu Kurian Thomas that when they tried to enforce the protection order, they could not locate her. Lawyer Anishad stated that the court directed the police to provide protection to the girl when she contacted them seeking protection. The court declared that the interim order is revoked. The next hearing will be on July 21. Monalisa had said her life was in danger - The High Court order for police protection came on the girl's petition, in which she had sought directions to the state government and the SHO of Ernakulam Central Police Station to protect her life. The girl's husband, Farman, is accused of kidnapping her. The case was registered by the Madhya Pradesh Police on the complaint of her father, who claimed that she is a minor. Monalisa went viral when a content creator shared a video of her selling Rudraksha beads at the Kumbh Mela in Prayagraj, Uttar Pradesh, last year.

Nora Fatehi saddened by Morocco's exit from the FIFA World Cup, video goes viral

These days, the world is experiencing the fever of the FIFA World Cup. Bollywood actress Nora Fatehi was also supporting the Moroccan team. The team has now been eliminated from the FIFA World Cup. Seeing this, Nora shed tears. What is Nora's connection to Morocco? The excitement of the FIFA World Cup 2026 is overwhelming fans. Fans want to see their favorite team win. But if the team you support is eliminated from the FIFA World Cup, it's natural to feel sad. Actress Nora Fatehi is in the same situation. She was deeply saddened by Morocco's exit from the FIFA World Cup. A video of her shedding tears has also gone viral on social media. Nora's eyes welled up with tears after Morocco's defeat - Morocco's FIFA World Cup journey has come to an end. Nora Fatehi was also seen emotional on this occasion. She was seen crying in the stadium, while her companions consoled her. But she looked quite sad. Nora Fatehi's special connection with Morocco - Nora Fatehi has been active in Bollywood films since 2014. She has been working as an actress, dancer, and singer. Although Nora was born and raised in Toronto, Canada, both her father and mother are of Moroccan descent. In this way, Nora Fatehi's roots also connect to Morocco. This is why she has been supporting the Moroccan football team until now. What is Nora doing on the career front? Some time ago, Nora Fatehi did an item song in the film 'KD the Devil', which was surrounded by controversy. She has also acted in several films. Besides this, she has now started doing live shows as a singer and dancer.

Vishal Jethwa and Ishaan Khattar's Fun Naagin Dance with Janhvi Kapoor

Janhvi Kapoor shared a dance video on social media with her "Homebound" co-stars Vishal Jethwa and Ishaan Khattar. In the video, Vishal and Janhvi are seen performing the Naagin dance together. Bollywood actress Janhvi Kapoor has shared a fun BTS video from the sets of her film "Homebound." In this behind-the-scenes video, she is seen having fun dancing with her co-stars Ishaan Khattar and Vishal Jethwa. Did Janhvi and Vishal perform the Naagin dance? Vishal Jethwa also shared this dance video on his Instagram account. The video begins with Vishal dancing alone on the terrace to the superhit song "UP Wala Thumka Lagoon" from Govinda and Karisma Kapoor's film "Hero No. 1." Shortly after, Janhvi joins them, and they both begin a fun "Naagin Dance." Ishaan's Entry: Janhvi and Vishal invite Ishaan Khatter. Ishaan is a little shy at first, but then he too begins dancing with them in Govinda's style. Vishal shared this video and captioned it, "Memories of Homebound." About the Film "Homebound" "Homebound" is directed by Neeraj Ghaywan. The film was among the top 15 shortlisted films for the Best International Feature Film at the 98th Academy Awards. It is based on a 2020 New York Times article by Basharat Peer, a true story about the struggles of migrant workers during the COVID-19 lockdown.